RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
07
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि / Indus Valley Civilization script

संदर्भ:

हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने **सिंधु घाटी सभ्यता की लिपियों** को **पढ़ने वाले विशेषज्ञों और संगठनों** के लिए पुरस्कार की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

1. तमिलनाडु सरकार की घोषणा:

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सिंधु घाटी सभ्यता की लिपियों को पढ़ने वाले विशेषज्ञों और संगठनों को **1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार** देने की घोषणा की।

2. तमिलनाडु पुरातत्व विभाग का अध्ययन:

- राज्य के 140 पुरातात्विक स्थलों, जैसे कीलाड़ी, से प्राप्त **90% प्राचीन चिह्न** सिंधु घाटी सभ्यता के चिह्नों से समानता दिखाते हैं।
- शोधकर्ताओं ने **15,184 चिह्नों** का अध्ययन किया, जिनमें से कुछ चिह्न बिल्कुल समान थे और कुछ में निकट समानता पाई गई।

3. प्रमुख चिह्न और समानताएं:

- दक्षिण भारत और सिंधु घाटी सभ्यता के बीच कई सामान्य प्रतीक पाए गए:
  - **तीर के आकार के चिह्न** (त्रिकोण या फूल के आकार वाले सिर वाले)
  - **मछली के चिह्न** (सामान्य और सटीक रूप)
  - **'U' आकार के चिह्न**
  - **साधारण गोल चिह्न**
  - **सीढ़ी के आकार वाले प्रतीक**
  - **वर्गाकार बॉक्स**
  - **'X' आकार के चिह्न**
  - **स्वस्तिक के चिह्न** (घड़ी की दिशा और विपरीत दिशा दोनों में)

4. सिंधु घाटी सभ्यता का संदर्भ:

- सिंधु घाटी सभ्यता लगभग **3300 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व** के बीच अस्तित्व में थी।
- यह अध्ययन दक्षिण भारत और सिंधु घाटी के सांस्कृतिक संबंधों को समझने में सहायक है।

सिंधु घाटी लिपि के बारे में:

1. वितरण और लंबाई: लगभग **60 उत्खनन स्थलों** पर मिली है।

- **3500 से अधिक नमूने** उपलब्ध हैं, जो ज्यादातर पत्थर की मुहरों, टेराकोटा, फैंस तावीज़ और मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों में पाए गए हैं।

2. लिपि की संरचना:

- आंशिक रूप से **चित्रात्मक संकेत** शामिल।
- मानव और **पशु आकृतियां, 'यूनिकॉर्न' चिह्न, और "नियंत्रित यथार्थवाद"** को दर्शाने वाले कलात्मक डिज़ाइन।

सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के बारे में:

1. परिचय:

- इसे **हड़प्पा सभ्यता** भी कहा जाता है, जो **2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व** तक फली-फूली।
- इसके शुरुआती निवास **3200 ईसा पूर्व** तक जाते हैं, और इसकी उत्पत्ति बलूचिस्तान के मेहरगढ़ (7000 ईसा पूर्व) से जुड़ी है।
- यह **तीन प्रारंभिक सभ्यताओं** (मिस्र और मेसोपोटामिया के साथ) में से एक मानी जाती है।

2. भौगोलिक विस्तार: सभ्यता ने लगभग **15 लाख वर्ग किमी** क्षेत्र को कवर किया, जिसमें आधुनिक भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान शामिल हैं।

3. मुख्य विशेषताएं:

- **शहर नियोजन**: ग्रिड लेआउट में व्यवस्थित शहर, आपस में काटती हुई सड़कें और मजबूत किलेबंदी।
- **ड्रेनेज सिस्टम**: भूमिगत सीवर्स और ढंके हुए नालों के साथ उन्नत जल निकासी प्रणाली।
- **भंडारण और व्यापार**: अनाज भंडार, गोदाम और बंदरगाह।
- **मोहरें**: जानवरों और अपठनीय लिपि से उत्कीर्ण स्टेटाइट की मोहरें।
- **कला-कौशल**: मिट्टी के बर्तन, मोती बनाने, टेराकोटा मूर्तियां, धातु वस्तुएं, और बुनाई।
- **जल प्रबंधन**: जलाशय, कुएं, और स्नानघर।

4. खोज के श्रेय:

- **हड़प्पा** (1921-22): **दयाराम साहनी** ।
- **मोहनजोदड़ो** (1922): **राखाल दास बनर्जी** ।
- **जॉन मार्शल**: हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खोजों में समानता देखकर सभ्यता की व्यापकता का पता लगाया।

Apni Pathshala एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 / Digital Personal Data Protection Rules, 2025

संदर्भ:

सरकार ने सार्वजनिक विचार-विमर्श के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 का मसौदा जारी किया।

- इन नियमों के अधिसूचित होने के बाद, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (DPDP अधिनियम) के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा।

ड्राफ्ट नियमों के प्रमुख प्रावधान:

1. बच्चों के डेटा के लिए अभिभावकीय सहमति:

- **सत्यापन आवश्यक**: बच्चों के अकाउंट बनाने से पहले सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म्स को अभिभावकीय सहमति लेनी होगी।
- **पहचान का सत्यापन**: अभिभावकों की आयु और पहचान का प्रमाण सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र से किया जाएगा।
- **अपवाद**: स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, शैक्षिक संस्थान, और डेकेयर केंद्र इस नियम से मुक्त हैं।

2. डेटा फिड्यूशरीज की भूमिका और जिम्मेदारियां:

- **परिभाषा:**
  - व्यक्तिगत डेटा एकत्रित और प्रोसेस करने वाले संस्थान **"डेटा फिड्यूशरीज"** कहलाते हैं।
  - **प्रमुख डेटा फिड्यूशरीज (SDFs)**: बड़े पैमाने पर या संवेदनशील डेटा प्रोसेस करने वाले, जो राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा, या सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करते हैं।
- **डेटा का संरक्षण:**
  - केवल सहमति की अवधि तक डेटा संग्रहीत किया जा सकता है; उसके बाद इसे हटाना होगा।
  - फिड्यूशरीज को एन्क्रिप्शन, एक्सेस कंट्रोल, और अनधिकृत एक्सेस की निगरानी सुनिश्चित करनी होगी।

3. सहमति प्रबंधन:

- **सहमति प्रबंधक:** सहमति रिकॉर्ड प्रबंधित करने वाले संस्थानों को सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।
- **शिकायत निवारण:** डेटा फिड्यूशरीज को शिकायतों के निवारण और सहमति वापस लेने के लिए तंत्र स्थापित करना होगा।

4. डेटा स्थानीयकरण:

- **पुन: परिचय:** व्यक्तिगत और ट्रैफिक डेटा के कुछ प्रकारों को भारत के बाहर ट्रांसफर करने पर रोक।
- **निगरानी:** सरकार द्वारा गठित समिति डेटा ट्रांसफर पर प्रतिबंधित श्रेणियां निर्धारित करेगी।

5. डेटा उल्लंघन की रिपोर्टिंग:

- **सूचना दायित्व:** उल्लंघन के मामले में, फिड्यूशरीज को प्रभावित उपयोगकर्ताओं और डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड को तुरंत सूचित करना होगा।
- **समान व्यवहार:** छोटे और बड़े उल्लंघनों में कोई भेदभाव नहीं; सभी की रिपोर्टिंग आवश्यक।

6. सरकारी डेटा प्रोसेसिंग के लिए सुरक्षा उपाय:

- **कानूनी प्रोसेसिंग:** सरकारी एजेंसियों को नागरिक डेटा का प्रोसेसिंग वैध रूप से करना होगा।
- **विशिष्ट सुरक्षा:** राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए छूट पर चिंताओं को दूर करने के लिए विशेष सुरक्षा उपाय निर्दिष्ट किए गए हैं।

कार्यान्वयन में चुनौतियां:

1. **गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन:** राज्य को डेटा प्रोसेसिंग में छूट देना गोपनीयता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन कर सकता है।
2. **डेटा प्रोसेसिंग में नियमन की कमी:** व्यक्तिगत डेटा प्रोसेसिंग से होने वाले खतरों को रोकने के उपायों की कमी।
3. **विदेशों में डेटा ट्रांसफर:** व्यक्तिगत डेटा को भारत के बाहर ट्रांसफर करने की अनुमति, जिससे अन्य देशों में डेटा सुरक्षा मानकों का सही आकलन नहीं हो पाता।
4. **डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड के सदस्यों का कम कार्यकाल:** बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल केवल दो वर्षों का होगा, जिससे स्वतंत्र कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है।

महत्व:

1. **नागरिकों को सशक्त बनाना:** नागरिकों को अपने डेटा पर अधिक नियंत्रण देने के लिए नियम।
2. **डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भरोसा बढ़ाना:** सूचित सहमति, डेटा हटाने का अधिकार, और शिकायत निवारण जैसे प्रावधान।
3. **विकास और अधिकारों के बीच संतुलन:** नियम आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए नागरिक कल्याण को प्राथमिकता देते हैं।
4. **शिकायतों का त्वरित निवारण:** डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड की डिजिटल प्रक्रिया से शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान।

बनिहाल बाईपास / Banihal Bypass

संदर्भ:

केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल **जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बनिहाल बाईपास** के एक महत्वपूर्ण हिस्से के पूरा होने की घोषणा की।

बनिहाल बाईपास के मुख्य बिंदु:

1. **लंबाई और उद्देश्य:**
   - जम्मू-कश्मीर के बनिहाल शहर में **2.35 किमी लंबा चार-लेन** वाला बाईपास।
   - इसका उद्देश्य **बनिहाल क्षेत्र में लगातार ट्रैफिक जाम की समस्या को समाप्त** करना है।
2. **निर्माण लागत:**
   - इसे **₹224.44 करोड़ की लागत** से बनाया गया है।
3. **स्थान और संरचना:**
   - यह **NH-44 के रामबन–बनिहाल सेक्शन** पर रणनीतिक रूप से स्थित है।
   - बाईपास में **1,513 मीटर लंबे 4 वायाडक्ट (पुल) और 3 कल्वर्ट शामिल** हैं।
4. **समस्याओं का समाधान:**
   - सड़क किनारे बाजारों और दुकानों से होने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करता है।
   - ट्रैफिक की बाधाओं को खत्म कर, सुगम यातायात सुनिश्चित करता है।
5. **प्रभाव और महत्व:**
   - यात्रा का समय और भीड़भाड़ को कम करता है।
   - कश्मीर घाटी की ओर जाने वाले पर्यटकों और रक्षा वाहनों के लिए यातायात को सरल बनाता है।

बनिहाल दर्रा:

1. **स्थिति:**
   - बनिहाल दर्रा भारत के **जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला** में स्थित है।
   - यह जम्मू क्षेत्र को **कश्मीर घाटी** से जोड़ता है और यात्रा और परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।
2. **ऊंचाई:**
   - यह दर्रा समुद्र तल से लगभग **2,832 मीटर (9,291 फीट) की ऊंचाई** पर स्थित है।
3. **विशेषताएं:**
   - यह अपने दुर्गम भूभाग और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है।
   - ऐतिहासिक रूप से यह दर्रा यात्रियों और व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण क्रॉसिंग पॉइंट रहा है।
4. **महत्व:**
   - बनिहाल दर्रा जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के बीच आवाजाही का **प्रमुख मार्ग** है।
   - यह **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों** के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

NH-44 के मुख्य तथ्य:

1. **सबसे लंबा राजमार्ग:**
   - **NH-44,** जिसे पुराना NH-7 भी कहा जाता है, भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है।
   - यह 3,745 किलोमीटर (2,327 मील) लंबा है।
2. **स्थानों को जोड़ना:**
   - यह जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से शुरू होकर तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक जाता है।
   - यह 11 राज्यों (जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु) से होकर गुजरता है।
3. **प्रमुख स्थान:** NH-44 आगरा, दिल्ली, हैदराबाद और बैंगलोर जैसे महत्वपूर्ण शहरों से होकर गुजरता है।
4. **विशेष निर्माण:** यह सात अलग-अलग राष्ट्रीय राजमार्गों को मिलाकर बनाया गया है।

ई-श्रम की भूमिका / Role of e-Shram

संदर्भ:

भारत के श्रम और रोजगार मंत्रालय (MoL&E) ने हाल ही में ई-श्रम पोर्टल को वैश्विक स्तर पर असंगठित श्रमिकों का सबसे बड़ा डाटाबेस घोषित किया है, जिसमें 30 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं।

पृष्ठभूमि:

महामारी के दौरान प्रवासी श्रमिकों की दयनीय स्थिति और पलायन को देखते हुए, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को श्रमिकों का राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने का निर्देश दिया।

इसके परिणामस्वरूप, मई 2021 में **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (MoL&E)** द्वारा **ई-श्रम पोर्टल** शुरू किया गया।

- इसका उद्देश्य असंगठित श्रमिकों की राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करना है।
- पंजीकरण **आधार सत्यापित** और **आधार से लिंक** होता है।
- कोई भी असंगठित श्रमिक स्वयं-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर पंजीकरण कर सकता है।
- यह पोर्टल 30 व्यापक व्यवसाय क्षेत्रों में 400 व्यवसायों के तहत पंजीकरण की अनुमति देता है।

ऐतिहासिक संदर्भ और डेटाबेस की आवश्यकता:

प्रवासी और असंगठित श्रमिकों के लिए डेटाबेस बनाए रखने की अवधारणा नई नहीं है।

- **अंतरराज्यीय प्रवासी कार्यकर्ता अधिनियम (1979):** ठेकेदारों को श्रमिकों का विस्तृत रिकॉर्ड रखने का प्रावधान किया।
- **असंगठित क्षेत्र में उद्यमों के लिए राष्ट्रीय आयोग (2007):** सार्वभौमिक श्रमिक पंजीकरण की सिफारिश की।
- **असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008):** श्रमिकों के लिए पहचान पत्र का प्रस्ताव रखा।

हालांकि, ये प्रयास प्रभावी नहीं हो सके, जिससे करोड़ों श्रमिक नीति निर्माताओं और जनता की दृष्टि से अदृश्य रहे।

- इस ऐतिहासिक उपेक्षा के बीच **ई-श्रम पोर्टल** एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरता है।

ई-श्रम पोर्टल की चुनौतियां:

1. **योग्यता की छूट:** प्रवासी श्रमिकों के पास जरूरी दस्तावेज़ (जैसे आधार, राशन कार्ड) नहीं होते, जिससे पंजीकरण में समस्या आती है।
2. **ई-श्रम पोर्टल की कार्यक्षमता:** पोर्टल पंजीकरण पर ध्यान देता है, लेकिन लाभों तक पहुंच में कमी है।
3. **प्रवासी श्रमिकों की संवेदनशीलता:** उच्च प्रवासन दर के कारण श्रमिकों को वंचन, तस्करी और सार्वजनिक सेवाओं तक सीमित पहुंच का सामना करना पड़ता है।
4. **लिंग असमानताएँ:** महिला श्रमिकों को अतिरिक्त चुनौतियाँ मिलती हैं, जिनके लिए लिंग-संवेदनशील योजनाओं की आवश्यकता है।
5. **डेटा पृथक्करण:** लिंग, क्षेत्र और प्रवासन पैटर्न के आधार पर डेटा पृथक्करण की कमी है।

ई-श्रम पोर्टल का महत्व:

1. **सामाजिक सुरक्षा:** असंगठित श्रमिकों को पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य कल्याण योजनाओं का लाभ।
2. **डेटा आधारित योजनाएं:** श्रमिकों की ज़रूरतें समझकर लक्षित और प्रभावी नीतियां बनाना।
3. **सशक्तिकरण:** विशिष्ट पहचान और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच देकर श्रमिकों का जीवनस्तर सुधारना।
4. **आपदा राहत:** संकट के समय प्रभावित श्रमिकों की पहचान और सहायता में मदद।
5. **नीति निर्माण:** न्यूनतम वेतन, कार्य परिस्थितियों और सुरक्षा नीतियों के लिए डेटा का उपयोग।

सिफारिशें:

1. **दस्तावेज़ समाधान:** सरल पंजीकरण और बिना दस्तावेज़ वाले श्रमिकों को सहायता।
2. **सामाजिक सुरक्षा:** पंजीकरण से आगे बढ़कर सभी श्रमिकों को लाभ सुनिश्चित करें।
3. **डेटा विश्लेषण:** प्रवासियों के डेटा का लिंग, क्षेत्र और जरूरतों के आधार पर अध्ययन।
4. **लिंग संवेदनशीलता:** महिला श्रमिकों के लिए विशेष नीतियां।
5. **मानव विकास:** प्रवासियों को संसाधन मानकर उनके विकास पर ध्यान दें।

ग्रेट निकोबार परियोजना / Great Nicobar Project

संदर्भ:

केंद्र सरकार के नौवहन मंत्रालय ने **ग्रेट निकोबार द्वीप** पर **₹72,000 करोड़ की मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना** के बड़े विस्तार का प्रस्ताव रखा है।

ग्रेट निकोबार परियोजना के बारे में:

- **बहु-विकास पहल:** यह परियोजना ग्रेट निकोबार द्वीप के समग्र विकास पर केंद्रित है, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी सिरे पर रणनीतिक रूप से स्थित है।
- **पर्यावरणीय मंजूरी:** नवंबर 2022 में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा मंजूर, जिससे परियोजना राष्ट्रीय पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप है।
- **रणनीतिक महत्व:** क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों का समर्थन करेगा।
- **दीर्घकालिक विकास:** इसे 30 वर्षों की अवधि में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिससे व्यवस्थित प्रगति और सतत परिणाम सुनिश्चित होंगे।

प्रमुख उद्देश्य:

1. **रणनीतिक महत्व:**
   - परियोजना का उद्देश्य पड़ोसी देशों, विशेषकर चीन की विस्तारवादी गतिविधियों का सामना करना और म्यांमार के मछुआरों द्वारा अवैध शिकार जैसी समुद्री गतिविधियों पर रोक लगाना है।
2. **आधारभूत संरचना विकास:**
   - ₹72,000 करोड़ की इस परियोजना में निम्नलिखित शामिल हैं:
     - अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट टर्मिनल।
     - द्वैध (सैन्य और नागरिक) उपयोग के लिए ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।
     - नगर विकास और 450 MVA का गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट।
3. **भौगोलिक संदर्भ:**
   - **स्थान:**
     - ग्रेट निकोबार द्वीप, अंडमान और निकोबार समूह का दक्षिणतम द्वीप, जिसे टेन डिग्री चैनल अंडमान द्वीपों से अलग करता है।
     - यहां स्थित इंदिरा प्वाइंट, भारत का दक्षिणतम बिंदु है, जो इंडोनेशिया से मात्र 150 किमी दूर है।
   - **पर्यावरणीय तंत्र:**
     - द्वीप पर उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, 650 मीटर तक ऊंचे पर्वत, और तटीय मैदान हैं।
     - यह द्वीप दो राष्ट्रीय उद्यानों और एक बायोस्फीयर रिजर्व का घर है, जहां चमड़े की पीठ वाले समुद्री कछुए जैसे विलुप्तप्राय प्रजातियां पाई जाती हैं।

परियोजना का महत्व:

1. **आर्थिक विकास:**
   - अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (ICTT) ग्रेट निकोबार को वैश्विक समुद्री व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाएगा, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।
2. **रणनीतिक महत्व:**
   - यह परियोजना भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाएगी और माल ट्रांसशिपमेंट के लिए विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता को कम करेगी।
3. **सतता:**
   - 450 MVA गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करेगा, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटेगी।

नई विशेषताएं:

1. **पर्यटन और बंदरगाह विकास:** परियोजना में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल और उच्च स्तरीय पर्यटन बुनियादी ढांचे को शामिल किया गया है, जो द्वीप को एक वैश्विक पोर्ट-आधारित शहर और सतत ईको-पर्यटन केंद्र में बदलने का लक्ष्य रखता है।
2. **नौवहन मंत्रालय की पहल:** प्रस्तावित जहाज निर्माण और जहाज तोड़ने की सुविधा के लिए समुद्र तट के साथ 100 एकड़ भूमि और एक निर्यात-आयात बंदरगाह के विकास की योजना बनाई गई है।

चिंताएँ:

1. **पर्यावरणीय हानि:** 33,000 एकड़ जैव विविधता युक्त वन नष्ट होंगे, जिससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, कोरल रीफ, और विलुप्तप्राय प्रजातियों के आवास को खतरा होगा।
2. **मानवीय चिंता:** परियोजना से पायुह जैसी आदिवासी समुदायों का विस्थापन होगा, उनके जीवनयापन और सांस्कृतिक विरासत पर असर पड़ेगा।
3. **पारदर्शिता की कमी:** परियोजना की जानकारी के अनुरोध को आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(ए) के तहत खारिज कर दिया गया, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता का हवाला देते हुए।

गुरु गोबिंद सिंह जी जयंती / Birth Anniversary of Guru Gobind Singh

संदर्भ:

6 जनवरी को पूरे भारत में **गुरु गोबिंद सिंह जी की 358वीं जयंती** मनाई गई।

गुरु गोबिंद सिंह के बारे में:

- **जन्म:** गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1666 में बिहार के पटना साहिब में पौष शुक्ल सप्तमी को हुआ था।
- **पिता:** वे गुरु तेग बहादुर, नौवें सिख गुरु, के पुत्र थे, जिन्हें मुगल सम्राट औरंगजेब द्वारा शहीद किया गया था।
- **गुरु पद:** गुरु गोबिंद सिंह 9 साल की उम्र में अपने पिता की शहादत के बाद सिखों के दसवें और अंतिम गुरु बने।
- **मृत्यु:** गुरु गोबिंद सिंह का निधन 1708 में 41 वर्ष की आयु में मुग़ल सेनाओं से युद्ध के दौरान हुआ।

गुरु गोबिंद सिंह जयंती का महत्व:

गुरु गोबिंद सिंह जयंती का आयोजन गुरु की शिक्षाओं, बलिदानों और सिख धर्म के लिए उनके योगदानों को सम्मानित करने के लिए किया जाता है। उनके द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय की पहचान और मूल्यों को मजबूत किया, जिससे वे विपरीत परिस्थितियों का सामना कर सके।

गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाएँ:

1. **समानता:** उन्होंने यह सिखाया कि सभी मनुष्य समान हैं, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, या लिंग से हों।
2. **एक ईश्वर में आस्था:** गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक परमात्मा की भक्ति का उपदेश दिया।
3. **साहस और बलिदान:** गुरु गोबिंद सिंह जी ने अत्याचार और अन्याय के खिलाफ खड़ा होने का महत्व सिखाया।
4. **मानवता की सेवा:** उन्होंने नि:स्वार्थ सेवा और सदाचारी जीवन जीने का आग्रह किया।

सिख धर्म और उसके सिद्धांतों के निर्माण में गुरु गोबिंद सिंह जी का योगदान:

1. **खालसा पंथ की स्थापना (1699)**
    - गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक आध्यात्मिक और योद्धा समुदाय के रूप में खालसा पंथ की स्थापना की।
    - खालसा की पहचान पाँच ककार (पाँच वस्त्र) से होती है:
        - **केश**: बिना कटे बाल।
        - **कड़ा**: लोहे का कंगन।
        - **कंघा**: साफ-सफाई के लिए कंघी।
        - **कच्छा**: विशेष प्रकार का वस्त्र।
        - **कृपाण**: आत्मरक्षा के लिए तलवार।
2. **सिख साहित्य का विकास:**
    - वह एक महान कवि, दार्शनिक, और आध्यात्मिक गुरु थे।
    - उन्होंने **दसम ग्रंथ** की रचना की, जिसमें आध्यात्मिकता, नैतिकता और युद्ध से जुड़े विषय शामिल हैं।
    - उन्होंने **ज़फ़रनामा** भी लिखा, जो मुगल सम्राट औरंगज़ेब को भेजा गया एक पत्र है। यह साहस, दर्शन, और गरिमा का अद्भुत संगम है।
3. **समानता और एकता का प्रचार:**
    - उन्होंने जाति और समाज में मौजूद भेदभाव को खत्म करने की वकालत की।
    - **'सर्वत का भला'** (सभी का कल्याण) का संदेश दिया, जो मानवता की सेवा को आध्यात्मिक प्रगति का आधार मानता है।

2024 पृथ्वी का सबसे गर्म वर्ष / 2024 Earth's Hottest Year

संदर्भ:

विश्व मौसम संगठन के अनुसार, 2024 अब तक का **सबसे गर्म वर्ष** रहा, जिसमें पहली बार तापमान प्री-औद्योगिक स्तर (1850-1900) **से 1.5 डिग्री सेल्सियस** अधिक पहुंच गया, जो पेरिस समझौते की सीमा से ऊपर है।

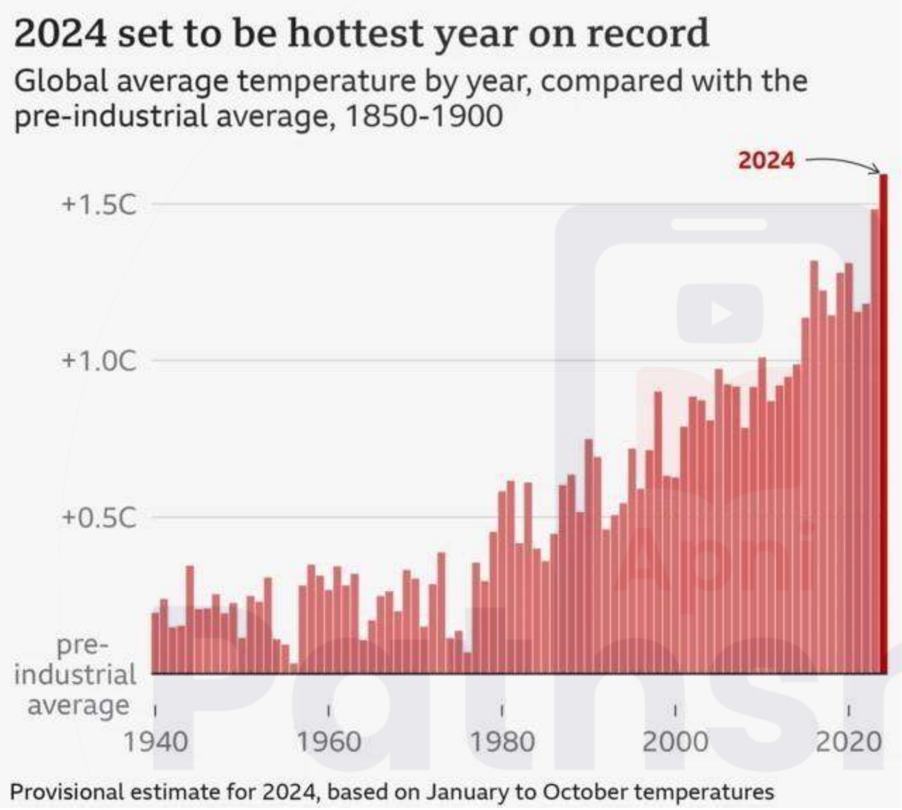

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

1. **अत्यधिक मौसम की घटनाएं:**
   - 2024 में रिकॉर्ड-तोड़ तापमान के कारण हीटवेव, सूखा, जंगलों में आग, तूफान और बाढ़ जैसी घटनाएं हुईं।
   - 1.3°C मानवजनित ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को उजागर करता है।
2. **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:**
   - 2024 में 26 प्रमुख घटनाओं में जलवायु परिवर्तन से कम से कम 3,700 मौतें और लाखों लोग विस्थापित हुए।
3. **एल नीनो बनाम जलवायु परिवर्तन:**
   - एल नीनो ने कुछ घटनाओं को प्रभावित किया, लेकिन ऐमज़न के ऐतिहासिक सूखे जैसे मामलों में जलवायु परिवर्तन का बड़ा योगदान रहा।
4. **बाढ़ और जलवायु परिवर्तन:**
   - 2024 में रिकॉर्ड तापमान के कारण भारी बारिश और बाढ़ हुई। 16 में से 15 बाढ़ की घटनाएं जलवायु परिवर्तन के कारण हुईं।
5. **पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव:**
   - ऐमज़न वर्षावन और पेंटानल वेटलैंड में सूखा और आग से जैव विविधता को भारी नुकसान हुआ।
   - वनों की कटाई रोकना और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा अनिवार्य है।
6. **मजबूत तूफान:**
   - गर्म समुद्र और हवा ने तूफानों को और अधिक विनाशकारी बनाया।
   - जलवायु परिवर्तन के कारण फिलीपींस में श्रेणी 3-5 के तूफानों का जोखिम बढ़ रहा है।

2025 के लिए संकल्प:

1. **सुधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली:**
   - मौसम आपदाओं से बचाव के लिए सटीक और प्रभावी चेतावनी प्रणाली का क्रियान्वयन।
2. **फॉसिल फ्यूल से तेज़ी से बदलाव:**
   - तेल, गैस और कोयले के उपयोग को कम करके नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ना जरूरी।
3. **विकसित देशों से वित्तीय सहायता:**
   - जलवायु आपदाओं से प्रभावित विकासशील देशों को अनुकूलन के लिए वित्तीय मदद।
4. **ताप मृत्यु पर रियल-टाइम रिपोर्टिंग:**
   - हीटवेव के प्रभाव को समझने और समय पर कार्रवाई के लिए तात्कालिक रिपोर्टिंग।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)

299/- YEAR

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)

ONLY 299/- YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)

ONLY 299 YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit

AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
LIVE
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

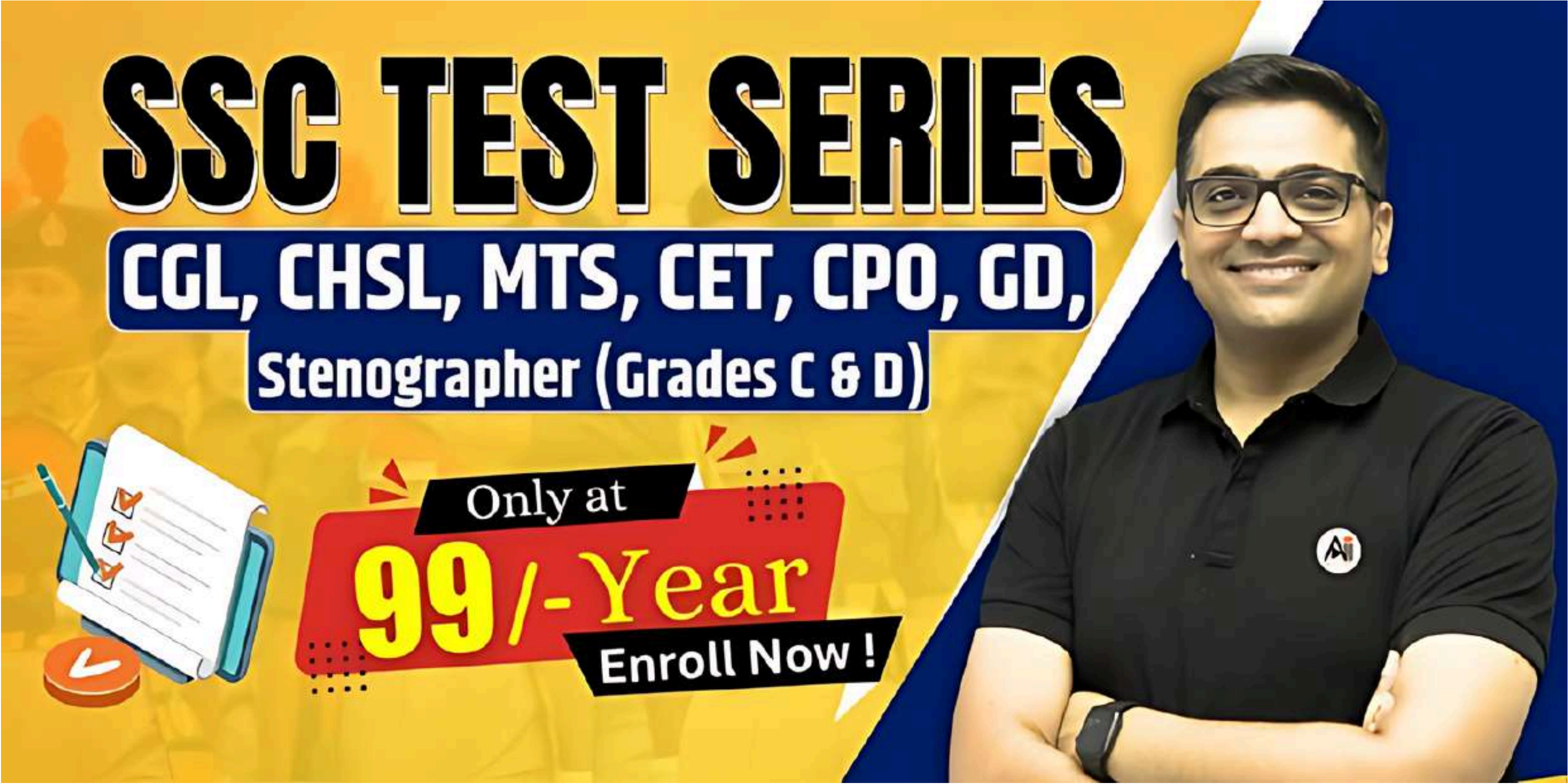
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !